ज्योतिष शास्त्र

|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ज्योतिष ब्लॉग ||

|| विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त ज्योतिष परामर्श ||

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Amit Singhal	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	19 / 07 / 1967	TIME OF BIRTH :	11:45:00 AM
CITY :	Khurja	STATE :	Uttar Pradesh
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Gemstone Suggestion Horoscope Report
QUESTION(S) :	Gemstone recommendation		
Mobile No. : 9810639875	Email ID : amitsinghal.be@gmail.com		
ORDER ID : #1040	PAYMENT ID : 209679365	AMOUNT : ₹551	
Order Date : 19/09/2018	Delivery Date : 22/09/2018		

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	कन्या
राशि :	धनु
ईष्ट देव :	दुर्गा जी

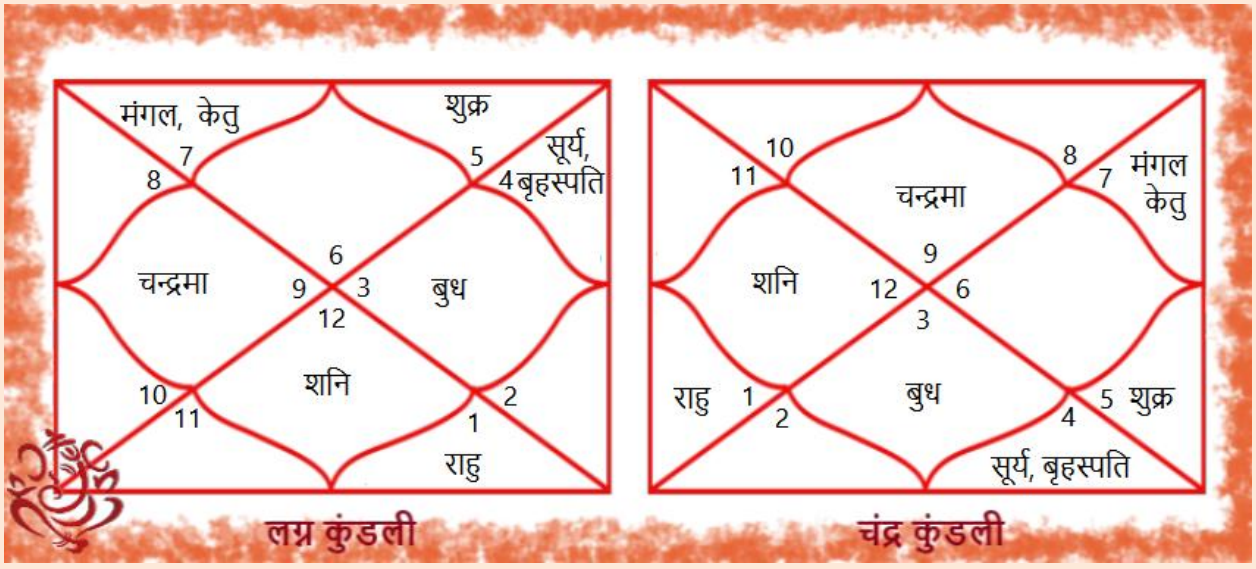

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमान अमित सिंघल जी आपकी कुंडली अनुसार राहु की महादशा (फरवरी 2016 से फरवरी 2034) तक रहेगी | वर्तमान में राहु में राहु की अन्तर्दशा चल रही है जो की अक्टूबर 2018 के अंतिम सप्ताह तक रहेगी | राहु की महादशा का सम्पूर्ण काल आपके लिए अच्छा फलदायक नहीं सिद्ध होगा | राहु अनचाही समस्याओं का कारक व जनक है | धन, परिवार, कुटुंब, मान सम्मान में हानि परेशानी इस काल में आपको उठानी पड़ेंगी | आप डिप्रेशन में जा सकते हैं | धर्म आस्था के प्रति विरोधाभास उत्पन्न होगा व धर्म कर्म में मन नहीं लगेगा |

इन सबसे डरने अथवा परेशान होने की आवश्यकता नहीं है | यह जीवन है, इसमें कभी अच्छा समय कभी बुरा समय अवश्य ही सबके सम्मुख आता है | समय परिवर्तनशील है सदैव एक सा नहीं रहता | सुख के बाद दुःख व दुःख के बाद सुख अवश्य ही आता है | आप इस समय संयम से रहें | इस काल में आपको समस्त निर्णय बहुत ही सोच समझ कर व सावधानी पूर्वक लेने होंगे | किसी बुजुर्ग व्यक्ति से सलाह मश्वरा लेकर ही कोई अंतिम निर्णय लें | नया इन्वेस्टमेंट न करें | पुराने धन को बचा कर रखने का प्रयास करें | वाद-विवाद से दूर रहे व किसी के साथ गाली गलौंच न करें | यदि ऐसा करेंगे तो बने बनाये कार्य और भी अधिक बिगड़ जायेंगे | धर्म कर्म करते रहे किसी भी स्थिति परिस्थिति में छोड़े नहीं | संतान पक्ष अथवा परिवार से परेशानी-मतभेद होने पर उनसे वाद विवाद बढ़ाने की अपेक्षा उनके निर्णयों का समर्थन कर उनके साथ मधुर सम्बन्ध बनाये रखें साथ ही उन्हें समझने का प्रयास करें |

आपके भीतर एक बार में कई काम करने की क्षमता है | आप एक साथ कई कार्यों में निहित रहते हैं |

रत्न धारण परामर्श :

आपके द्वारा चुनी ज्योतिषशास्त्र जेमस्टोन होरोस्कोप सेवा के अनुसार आपको तीन रत्न पहनने की सलाह दी जाती है | इनके धारण करने से आपको समयानुसार इनके प्रभाव प्राप्त होते रहेंगे | आप इन रत्नो को आजीवन धारण कर सकते हैं | रत्न उच्च कोटि के व दोषमुक्त ही धारण करें अन्यथा इनसे आपको लाभ की अपेक्षा दुष्परिणाम भी प्राप्त हो सकते हैं |

पन्ना रत्न :- व्यापार, वाणी, बुद्धि हेतु |

पन्ना रत्न धारण विधि -

बुध ग्रह का प्रतिनिधि रत्न पन्ना अथवा एमराल्ड को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का पन्ना धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल पन्ना स्वर्ण की अंगूठी में जड़वाएं | मान लीजिये आपका वजन 70 किलो ग्राम है तब आपको सवा सात रत्ती का पन्ना रत्न धारण करना उपयुक्त रहेगा |

किसी भी शुक्ल पक्ष के बुधवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती बुध देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बुध देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु आपका प्रतिनिधि रत्न पन्ना धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर 108 बारी अगरबत्ती के ऊपर से घुमाते हुए "ऊँ बुं बुधाय नमः" मंत्र का जाप करे तत्पश्चात अंगूठी को विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर कनिष्ठ अंगुली में धारण करें | पन्ना धारण करने के 30 दिनों में प्रभाव देना आरम्भ कर देता है | निरंतर लाभ प्राप्ति हेतु, प्रत्येक तीन वर्षों के अंतराल के पश्चात इसका उक्त विधि द्वारा शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करते रहे |

नीलम रत्न :- आर्थिक उन्नति, धन लाभ हेतु |

नीलम रत्न धारण विधि -

नीलम अथवा ब्लू सफायर रत्न को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का नीलम रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल नीलम चांदी की अंगूठी में जड़वाएं|

किसी भी शुक्ल पक्ष के प्रथम शनिवार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी की प्राण प्रतिष्ठा करे | इसके लिए अंगूठी को सबसे पहले पंचामृत अर्थात गंगा जल, दूध, घी, केसर एवं शहद के घोल में 15 से 20 मिनट तक डाल के रखे, तत्पश्चात स्नान के पश्चात किसी भी मंदिर में शनि देव के नाम 5 अगरबत्ती जलाये, अब अंगूठी

को घोल से निकाल कर गंगा जल से धो ले, अंगूठी को धोने के पश्चात उसे 11 बारी "ॐ शं शानिश्चार्ये नम:" मन्त्र का जाप करते हुए अगरबत्ती के उपर से घुमाये, तत्पश्चात अंगूठी को शिव के चरणों में रख दे एवं प्रार्थना करे कि "हे शनि देव में आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा हूँ कृपा कर मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे" तत्पश्चात अंगूठी को शिव जी के चरणों से स्पर्श कराएं व मध्यमा ऊँगली में धारण करे |

हीरा रत्न :- पारिवारिक सुख, संतुलित जीवन हेतु |

हीरा रत्न धारण विधि -

हीरा शुक्र गृह का प्रतिनिधि रत्न है | हीरे को चाँदी अथवा प्लैटिनम की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के शुक्रवार के दिन, सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती शुक्रदेव के नाम जलाये और प्रार्थना करे कि हे शुक्र देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न, हीरा धारण कर रहा हूँ, कृपया करके मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकाल कर "ॐ शं शुक्राय नम:" मंत्र के 108 जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उप्पर से 108 बार घुमाए व अंगूठी को लक्ष्मीजी के चरणों से लगाकर अनामिका ऊँगली में धारण करें | हीरा अपना प्रभाव 25 दिन में देना आरम्भ कर देता है |

उपाय :-

- गाय - गुरु - मंदिर की सेवा करें |
- दान - धर्म करते रहें |

♦ प्रतिदिन सूर्योदय से पूर्व उठें, स्नानादि से निवृत्त होकर खुले स्थान पर पूर्व दिशा की ओर मुख कर कुश आसान पर बैठ जाएँ व स्फटिक की माला से राहु मंत्र "ॐ राम राहवे नमः" का एक माला अर्थात 108 बार जाप करें, ऐसा सूर्योदय से पूर्व करना है | तत्पश्चात सूर्योदय होते ही एक माला अर्थात 108 बार "ॐ अं अंगारकाय नमः" मंत्र का जाप करें | इसके लिए प्रतिदिन पंचांग देखकर अगले दिन होने वाले सूर्योदय का समय ज्ञात करें |

♦ प्रत्येक शनिवार को जल में काले तिल डालकर रुद्राभिषेक करें | प्रथम शनिवार को शिवजी के सम्मुख बैठकर उनसे अपनी समस्या / समस्याएँ बताएं व उन समस्या / समस्याओं के निवारण हेतु आग्रह करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

नोट :- श्रीमान अमित सिंघल जी मेरा आपको व्यक्तिगत परामर्श है कि आप यदि जीवन में अधिक अधिक चिंता, परेशानी, निराशा, उलझन, तनाव का अनुभव करें तब आप अपनी कुंडली की राहु महादशा की बदलती अंतर्दशा / अन्तर्दशाओं के अनुसार उपाय अवश्य ही प्राप्त करते रहे | ऐसा करने से आपको समय के अनुसार वह उपाय ज्ञात हो जायेंगे जिन्हे करने से आपको राहु महादशा काल का समय व्यतीत करने में सरलता होगी व अधिक कठिनाइयों से त्रस्त नहीं होना पड़ेगा |

नोट :- अपने प्रत्येक जन्मदिवस से लगभग 10-15 दिन पूर्व हमें ईमेल (care@jyotishshastra.com) पर सूचित कर अपने करियर व जीवन के उच्च आयाम प्राप्ति हेतु वर्षभर के स्पेशल उपाय अवश्य ही प्राप्त करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

SANDEEP KUMAR SINGH

Digitally signed by SANDEEP KUMAR SINGH
Date: 2018.09.22 12:49:24 +05'30'

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु विशारद